बरेली, बुधवार
1 नवंबर, 2023
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 24

दैनिक जागरण

शक व गलत रिपोर्ट से बर्बाद हुई डाक्टर की जिंदगी

जासं, बरेली : आधी रात का समय है। कमरे में मद्धम रोशनी के बीच चिकित्सक सुनील चौहान शराब पी रहे हैं। वह व्हीलचेयर पर बैठे हैं। अचानक कमरे में विभिन्न स्थानों पर रखे फोन घनघनाने लगते हैं, वह एक फोन तक पहुंचते तब तक दूसरा और दूसरे तक तो तीसरा। वह परेशान हो जाते हैं। उन्हें इसके पीछे अपने चिकित्सक दोस्तों पर शक होता है और जोर से चीखता हैं। लाइट गुल। यह दृश्य एसआरएमएस रिद्धिमा प्रदर्शन एवं ललित कला केंद्र चल रहे इंद्रधनुष-3 थियेटर फेस्टिवल में मंगलवार को हुए नाटक अनकही अन-जली के मंचन का है।

इंद्रधनुष-3 थियेटर फेस्टिवल के अंतिम दिन मुकुल नाग द्वारा निर्देशित इस नाटक में डाक्टर का शक और उसकी गलत मेडिकल रिपोर्ट उसका

रिद्धिमा में नाटक अनकही अन-जली का मंचन करते कलाकार ●सौ एसआरएमएस

पूरा जीवन बर्बाद कर देती है। नाटक का मुख्य किरदार डाक्टर चौहान शहर का प्रसिद्ध हृदयरोग विशेषज्ञ है, जोकि बेहद शक्की स्वभाव का है। वह हर किसी को शक की नजर से देखता है। शादी की दूसरी वर्षगांठ पर सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो जाता है, उसके दोनों पैर खराब हो चुके हैं। उसे शक है कि उसकी तरक्की को देखकर दोस्तों ने हादसे की साजिश रची और उसकी पत्नी अंजली भी इसमें शामिल है। यह सभी घटना के वक्त उसकी कार में मौजूद थे। पत्नी अंजली के मां बनने की खबर देने पर वह शक करता है और उसकी हत्या कर देता है। पुलिस के पास पत्नी के लापता होने की शिकायत दर्ज करा देता है। दरअसल, गलत मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर डाक्टर को पता चल चुका था कि वह कभी पिता नहीं बन सकता। पत्नी की हत्या के बाद जब मिसेज बोल्लार सही रिपोर्ट लाकर उसको देती है तो वह उसकी भी हत्या कर देता है। डाक्टर का शक और गलत मेडिकल रिपोर्ट उसका पूरा जीवन बर्बाद कर देती है। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि समाजसेवी ऊषा गुप्ता ने किया। इस दौरान एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति, सुभाष मेहरा, डाक्टर अनुज कुमार, डाक्टर रीता शर्मा आदि मौजूद रहे।